PRESS INFORMATION BUREAU
पत्र सूचना कार्यालय
GOVERNMENT OF INDIA
भारत सरकार

Haribhumi, Delhi
Wed, 07 Jun 2017, Page 14
Width: 16.98 cms, Height: 24.91 cms, a4, Ref: 25.2017-06-07.184

'सेना में महिलाओं को लड़ाकू भूमिका में लाया जाना चाहिए'

एजेंसी. नई दिल्ली

महिलाओं को युद्ध के मोर्चे पर लगाने की सेना की योजना का कई वर्गों ने समर्थन किया है जबकि कुछ का मानना है कि इस प्रक्रिया को 'धीरे धीरे' किया जाना चाहिए। सशस्त्र बल चिकित्सा सेवा के पूर्व महानिदेशक और लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) बी के चोपड़ा ने इस कदम को 'अच्छी शुरुआत' बताया। सेना प्रमुख जनरल बिपिन रावत ने हाल में बताया था कि सेना महिलाओं को जवान के तौर पर पदस्थापित करने पर विचार कर रही है और शुरु में उन्हें सेना पुलिस के पदों पर भर्ती किया जाएगा। उन्होंने कहा कि आधुनिक सेना के लिए केवल संख्या मायने नहीं रखती। पिछले 70 वर्षों में सेना बदली है और महिलाएं भी अब पहले जैसी नहीं हैं। शारीरिक रूप से वे पुरुषों की तुलना में अलग हो सकती हैं लेकिन वह कोई मुद्दा नहीं है और प्रशिक्षण के दौरान इसका ख्याल रखा जा सकता है। चोपड़ा ने कहा कि कदम उठाने से पहले सेना में 'मानसिकता बदलने' की जरूरत है क्योंकि महिलाओं को अभी जवानों के तौर पर नहीं देखा गया है। वर्तमान में महिलाओं को सेना के चिकित्सा, कानून, शैक्षणिक, सिग्नल और इंजीनियरिंग शाखा सहित कुछ चुनिंदा क्षेत्रों में अनुमति हासिल है लेकिन लडाई के मोर्चे से उन्हें दूर रखा गया है। सेना महिला जवानों को कम्प्यूटर ऑपरेटर और लिपिक कर्मचारी जैसे कामों के लिए भी भर्ती करने की योजना बना रही है।